ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-11-2023

अरवल(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-11	2023-11-12	2023-11-13	2023-11-14	2023-11-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	32.0	31.0	31.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	19.0	19.0	19.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	250	290	320	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-75 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-20 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 30-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

परिपक्व धान की फसल की कटाई करें और थ्रेसिंग के बाद सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्तमान मौसम गेहूं की किस्मों जैसे कि C 306, K 8027, HD 2888 और सबौर निरजल की बुआई के लिए आदर्श है 15 नवंबर से पहले। किसानों की बुवाई का समय 50 kg DAP, 40 kg MOP और 10 किलो जिंक

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	प्रति एकड़ दर से छिड़काव करें। क्षेत्र की तैयारी के लिए समय बचाने के लिए किसान शून्य जुताई मशीन लगा सकते हैं।
मक्का	रबी मक्का की बुआई के लिए किसान भाई को खेत की तैयारी प्ररंभ करनी चाहिए।
सरसों	सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए।
चना	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पोशुओं को रात में खुली स्थान पर न रखें। सुबह-शाम पशुओं को खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण दें। गर्भवती गाय-भैंसों को रोजाना 50 ग्राम खनिज मिश्रण दें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-11-2023

भागलपुर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-11	2023-11-12	2023-11-13	2023-11-14	2023-11-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	31.0	30.0	30.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	19.0	18.0	18.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	85	80	80	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	30	30	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	10	5	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	290	290	320	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	4

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 80-90 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 17-19 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 29-31 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

परिपक्व धान की फसल की कटाई करें और थ्रेसिंग के बाद सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्तमान मौसम गेहूं की किस्मों जैसे कि C 306, K 8027, HD 2888 और सबौर निरजल की बुआई के लिए आदर्श है 15 नवंबर से पहले। किसानों की बुवाई का समय 50 kg DAP, 40 kg MOP और 10 किलो जिंक

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	प्रति एकड़ दर से छिड़काव करें। क्षेत्र की तैयारी के लिए समय बचाने के लिए किसान शून्य जुताई मशीन लगा सकते हैं।
मक्का	रबी मक्का की बुआई के लिए किसान भाई को खेत की तैयारी प्ररंभ करनी चाहिए।
सरसों	सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए।
चना	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पोशुओं को रात में खुली स्थान पर न रखें। सुबह-शाम पशुओं को खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण दें। गर्भवती गाय-भैंसों को रोजाना 50 ग्राम खनिज मिश्रण दें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-11-2023

भोजपुर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-11	2023-11-12	2023-11-13	2023-11-14	2023-11-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	32.0	31.0	31.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	19.0	19.0	19.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	250	290	320	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-75 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-20 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 30-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

परिपक्व धान की फसल की कटाई करें और थ्रेसिंग के बाद सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्तमान मौसम गेहूं की किस्मों जैसे कि C 306, K 8027, HD 2888 और सबौर निरजल की बुआई के लिए आदर्श है 15 नवंबर से पहले। किसानों की बुवाई का समय 50 kg DAP, 40 kg MOP और 10 किलो जिंक

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	प्रति एकड़ दर से छिड़काव करें। क्षेत्र की तैयारी के लिए समय बचाने के लिए किसान शून्य जुताई मशीन लगा सकते हैं।
मक्का	रबी मक्का की बुआई के लिए किसान भाई को खेत की तैयारी प्ररंभ करनी चाहिए।
सरसों	सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए।
चना	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पोशुओं को रात में खुली स्थान पर न रखें। सुबह-शाम पशुओं को खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण दें। गर्भवती गाय-भैंसों को रोजाना 50 ग्राम खनिज मिश्रण दें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-11-2023

बक्सर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-11	2023-11-12	2023-11-13	2023-11-14	2023-11-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	31.0	31.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	19.0	19.0	19.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	250	290	320	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-75 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-20 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 30-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

परिपक्व धान की फसल की कटाई करें और थ्रेसिंग के बाद सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्तमान मौसम गेहूं की किस्मों जैसे कि C 306, K 8027, HD 2888 और सबौर निरजल की बुआई के लिए आदर्श है 15 नवंबर से पहले। किसानों की बुवाई का समय 50 kg DAP, 40 kg MOP और 10 किलो जिंक

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	प्रति एकड़ दर से छिड़काव करें। क्षेत्र की तैयारी के लिए समय बचाने के लिए किसान शून्य जुताई मशीन लगा सकते हैं।
मक्का	रबी मक्का की बुआई के लिए किसान भाई को खेत की तैयारी प्ररंभ करनी चाहिए।
सरसों	सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए।
चना	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पोशुओं को रात में खुली स्थान पर न रखें। सुबह-शाम पशुओं को खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण दें। गर्भवती गाय-भैंसों को रोजाना 50 ग्राम खनिज मिश्रण दें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-11-2023

जहानाबाद(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-11	2023-11-12	2023-11-13	2023-11-14	2023-11-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	31.0	30.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	20.0	19.0	19.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	80	75	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	10	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	270	250	290	250	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-20 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 29-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

परिपक्व धान की फसल की कटाई करें और थ्रेसिंग के बाद सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्तमान मौसम गेहूं की किस्मों जैसे कि C 306, K 8027, HD 2888 और सबौर निरजल की बुआई के लिए आदर्श है 15 नवंबर से पहले। किसानों की बुवाई का समय 50 kg DAP, 40 kg MOP और 10 किलो जिंक

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	प्रति एकड़ दर से छिड़काव करें। क्षेत्र की तैयारी के लिए समय बचाने के लिए किसान शून्य जुताई मशीन लगा सकते हैं।
मक्का	रबी मक्का की बुआई के लिए किसान भाई को खेत की तैयारी प्ररंभ करनी चाहिए।
सरसों	सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए।
चना	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पोशुओं को रात में खुली स्थान पर न रखें। सुबह-शाम पशुओं को खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण दें। गर्भवती गाय-भैंसों को रोजाना 50 ग्राम खनिज मिश्रण दें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-11-2023

कैमूर (भभुआ)(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-11	2023-11-12	2023-11-13	2023-11-14	2023-11-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	32.0	31.0	31.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	19.0	19.0	19.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	250	290	320	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-75 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-20 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 30-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

परिपक्व धान की फसल की कटाई करें और थ्रेसिंग के बाद सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्तमान मौसम गेहूं की किस्मों जैसे कि C 306, K 8027, HD 2888 और सबौर निरजल की बुआई के लिए आदर्श है 15 नवंबर से पहले। किसानों की बुवाई का समय 50 kg DAP, 40 kg MOP और 10 किलो जिंक

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	प्रति एकड़ दर से छिड़काव करें। क्षेत्र की तैयारी के लिए समय बचाने के लिए किसान शून्य जुताई मशीन लगा सकते हैं।
मक्का	रबी मक्का की बुआई के लिए किसान भाई को खेत की तैयारी प्ररंभ करनी चाहिए।
सरसों	सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए।
चना	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पोशुओं को रात में खुली स्थान पर न रखें। सुबह-शाम पशुओं को खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण दें। गर्भवती गाय-भैंसों को रोजाना 50 ग्राम खनिज मिश्रण दें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-11-2023

लखीसराय(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-11	2023-11-12	2023-11-13	2023-11-14	2023-11-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	31.0	30.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	20.0	19.0	19.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	80	75	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	10	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	270	250	290	250	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-20 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 29-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

परिपक्व धान की फसल की कटाई करें और थ्रेसिंग के बाद सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्तमान मौसम गेहूं की किस्मों जैसे कि C 306, K 8027, HD 2888 और सबौर निरजल की बुआई के लिए आदर्श है 15 नवंबर से पहले। किसानों की बुवाई का समय 50 kg DAP, 40 kg MOP और 10 किलो जिंक

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	प्रति एकड़ दर से छिड़काव करें। क्षेत्र की तैयारी के लिए समय बचाने के लिए किसान शून्य जुताई मशीन लगा सकते हैं।
मक्का	रबी मक्का की बुआई के लिए किसान भाई को खेत की तैयारी प्ररंभ करनी चाहिए।
सरसों	सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए।
चना	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पोशुओं को रात में खुली स्थान पर न रखें। सुबह-शाम पशुओं को खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण दें। गर्भवती गाय-भैंसों को रोजाना 50 ग्राम खनिज मिश्रण दें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-11-2023

मुंगेर(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-11	2023-11-12	2023-11-13	2023-11-14	2023-11-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	31.0	31.0	30.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	19.0	18.0	18.0	17.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	85	80	80	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	35	30	30	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	10	5	10	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	290	290	320	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	4

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 80-90 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 17-19 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 29-31 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

परिपक्व धान की फसल की कटाई करें और थ्रेसिंग के बाद सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्तमान मौसम गेहूं की किस्मों जैसे कि C 306, K 8027, HD 2888 और सबौर निरजल की बुआई के लिए आदर्श है 15 नवंबर से पहले। किसानों की बुवाई का समय 50 kg DAP, 40 kg MOP और 10 किलो जिंक

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	प्रति एकड़ दर से छिड़काव करें। क्षेत्र की तैयारी के लिए समय बचाने के लिए किसान शून्य जुताई मशीन लगा सकते हैं।
मक्का	रबी मक्का की बुआई के लिए किसान भाई को खेत की तैयारी प्ररंभ करनी चाहिए।
सरसों	सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए।
चना	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पोशुओं को रात में खुली स्थान पर न रखें। सुबह-शाम पशुओं को खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण दें। गर्भवती गाय-भैंसों को रोजाना 50 ग्राम खनिज मिश्रण दें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-11-2023

नालंदा(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-11	2023-11-12	2023-11-13	2023-11-14	2023-11-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	31.0	30.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	21.0	21.0	20.0	20.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	80	75	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	10	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	270	250	290	250	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 19-21 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 29-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

परिपक्व धान की फसल की कटाई करें और थ्रेसिंग के बाद सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्तमान मौसम गेहूं की किस्मों जैसे कि C 306, K 8027, HD 2888 और सबौर निरजल की बुआई के लिए आदर्श है 15 नवंबर से पहले। किसानों की बुवाई का समय 50 kg DAP, 40 kg MOP और 10 किलो जिंक

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	प्रति एकड़ दर से छिड़काव करें। क्षेत्र की तैयारी के लिए समय बचाने के लिए किसान शून्य जुताई मशीन लगा सकते हैं।
मक्का	रबी मक्का की बुआई के लिए किसान भाई को खेत की तैयारी प्ररंभ करनी चाहिए।
सरसों	सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए।
चना	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पोशुओं को रात में खुली स्थान पर न रखें। सुबह-शाम पशुओं को खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण दें। गर्भवती गाय-भैंसों को रोजाना 50 ग्राम खनिज मिश्रण दें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-11-2023

पटना(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-11	2023-11-12	2023-11-13	2023-11-14	2023-11-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	32.0	31.0	30.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	21.0	21.0	20.0	20.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	80	80	75	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	10	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	270	250	290	250	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 75-85 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 19-21 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 29-32 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5-10 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

परिपक्व धान की फसल की कटाई करें और थ्रेसिंग के बाद सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्तमान मौसम गेहूं की किस्मों जैसे कि C 306, K 8027, HD 2888 और सबौर निरजल की बुआई के लिए आदर्श है 15 नवंबर से पहले। किसानों की बुवाई का समय 50 kg DAP, 40 kg MOP और 10 किलो जिंक

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	प्रति एकड़ दर से छिड़काव करें। क्षेत्र की तैयारी के लिए समय बचाने के लिए किसान शून्य जुताई मशीन लगा सकते हैं।
मक्का	रबी मक्का की बुआई के लिए किसान भाई को खेत की तैयारी प्ररंभ करनी चाहिए।
सरसों	सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए।
चना	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पोशुओं को रात में खुली स्थान पर न रखें। सुबह-शाम पशुओं को खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण दें। गर्भवती गाय-भैंसों को रोजाना 50 ग्राम खनिज मिश्रण दें।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-11-2023

रोहतास(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-11-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-11-11	2023-11-12	2023-11-13	2023-11-14	2023-11-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	31.0	30.0	30.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	19.0	19.0	19.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	70	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	5	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	290	250	290	320	270
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

• आगामी पांच दिनों के दौरान आसमान में आंशिक बादल छाये रहेंगे । • आगामी पांच दिनों के दौरान वर्षा होने की संभावना नहीं है। • न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता लगभग 30-40 % और अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रतालगभग 70-75 % होने की संभावना है। • न्यूनतम तापमान लगभग 18-20 डिग्री सेंटीग्रेड और अधिकतम तापमान 29-31 डिग्री सेंटीग्रेड होने की संभावना है। • 5 किमी/घंटा की रप्तार से हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह है कि खरीफ फ़सलों (धान) के बचे हुए अवशेषों (पराली) को ना जलाऐ। क्योकि इससे वातावरण में प्रदूषण ज़्यादा होता है, जिससे स्वास्थय सम्बन्धी बीमारियों की संभावना बढ जाती है। इससे उत्पन्न धुंध के कारण सूर्य की किरणे फसलों तक कम पहुचती है, जिससे फसलों में प्रकाश संश्लेषण और वाष्पोत्सर्जन की प्रकिया प्रभावित होती है जिससे भोजन बनाने में कमी आती है इस कारण फसलों की उत्पादकता व गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसानों को सलाह है कि धान के बचे हुए अवशेषों (पराली) को जमीन में मिला दें इससे मृदा की उर्वकता बढ़ती है, साथ ही यह पलवार का भी काम करती है। जिससे मृदा से नमी का वाष्पोत्सर्जन कम होता है। नमी मृदा में संरक्षित रहती है। धान के अवशेषों को सड़ाने के लिए पूसा डीकंपोजर कैप्सूल का उपयोग @ 4 कैप्सूल/हेक्टेयर किया जा सकता है।

लघु संदेश सलाहकार:

परिपक्व धान की फसल की कटाई करें और थ्रेसिंग के बाद सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	वर्तमान मौसम गेहूं की किस्मों जैसे कि C 306, K 8027, HD 2888 और सबौर निरजल की बुआई के लिए आदर्श है 15 नवंबर से पहले। किसानों की बुवाई का समय 50 kg DAP, 40 kg MOP और 10 किलो जिंक

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	प्रति एकड़ दर से छिड़काव करें। क्षेत्र की तैयारी के लिए समय बचाने के लिए किसान शून्य जुताई मशीन लगा सकते हैं।
मक्का	रबी मक्का की बुआई के लिए किसान भाई को खेत की तैयारी प्ररंभ करनी चाहिए।
सरसों	सरसों की किस्म 66-197-3, राजेंद्र सरसों -1 या स्वर्ण की बुवाई की जानी चाहिए। बीज दर 5 किलोग्राम / हेक्टेयर है और बीजको बाविस्टिन 50% धूल @ 2.5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचार करनी चाहिए।
चना	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान चने की बुवाई इस सप्ताह कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। छोटी एवं मध्यम आकार के दाने वाली किस्मों के लिए 60–80 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों के लिए 80–100 कि.ग्रा. प्रति है. बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई 30–35 सें. मी. दूर कतारों में करनी चाहिए। प्रमुख काबुली किस्में- पूसा 267, पूसा 1003, पूसा चमत्कार (बी.जी. 1053); देशी किस्में – सी. 235, पूसा 246, पी.बी.जी. 1, पूसा 372। बुवाई से पूर्व बीजों को राइजोबियम और पी.एस.बी. के टीकों (कल्चर) से अवश्य उपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	इस मौसम में ब्रोकली, फूलगोभी तथा बन्दगोभी की पौधशाला तैयार करने के लिए उपयुक्त है। पौधशाला भूमि से उठी हुई क्यारियों पर ही बनायें। जिन किसानों की पौधशाला तैयार है वह मौसस को ध्यान में रखते हुये पौध की रोपाई ऊंची मेड़ों पर करें।
लहसुन	तापमान को ध्यान में रखते हुए किसान इस समय लहसुन की बुवाई कर सकते है। बुवाई से पूर्व मृदा में उचित नमी का ध्यान अवश्य रखें। उन्नत किस्में –जी-1, जी-41, जी-50, जी-282. खेत में देसी खाद और फास्फोरस उर्वरक अवश्य डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पोशुओं को रात में खुली स्थान पर न रखें। सुबह-शाम पशुओं को खाने में एक चम्मच नमक का मिश्रण दें। गर्भवती गाय-भैंसों को रोजाना 50 ग्राम खनिज मिश्रण दें।